



Tibetan Buddhist Resource Center

Text Scan Input Form - Title Page

Work:	W3CN22330	ImageGroup:	I3CN22336
LCCN:	n/a	ISBN:	n/a

Title:	དབུ་མ་རྩ་བའི་གཞུང་འགྲེལ་རིགས་པའི་རྒྱ་མཚོར་འཇུག་པའི་གྲུ་རྩིངས། dbu ma rtsa ba'i gzhung 'grel rigs pa'i rgya mtshor 'jug pa'i gru rdzings/
Author:	ལེགས་པ་ཚོས་འབྲུར legs pa chos 'byor
Descriptor:	n/a
Original Publication:	n/a;n/a
Place:	[s.l.]
Publisher:	[s.n.]
Date:	[n.d.]
Volume:	1
Total Volumes:	1
TBRC Pages:	2
Introductory Pages:	n/a
Text Pages:	n/a
Scanning Information:	Scanned at Tibetan Buddhist Resource Center, 1430 Massachusetts Ave, 5th Floor, Cambridge, Mass. 02138. Comments: 2020

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।
नमो भगवते वासुदेवाय । नमो भगवते वासुदेवाय ।



[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to severe fading or damage.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to fading or damage.]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुनस्य वचनम् ॥ १ ॥
अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् । अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे
मया मेलितः पाण्डवश्चैत्रतनुर्धाम । बभूवुःशक्रपुत्रस्तु महाबलवान्वृतः ॥
भृष्टशकुनिर्धनो जयद्रथो वीर्यवान् । शैब्यश्चास्त्रपाण्डुराद्युत्तम ॥ २ ॥
उपस्थितः सुहृन्नेत्रः सौम्यदर्शनः । पश्यन्भीष्मस्य तान् पाण्डुपुत्रवन्दनम् ॥ ३ ॥
अथ द्रुपद उवाच ॥ पाण्डवस्य ह्यर्जुनस्य च योऽङ्गुलिर्धूमकेतुर्विजयः ॥
तस्मात्तु मेघनादः प्रह्लादादिव विप्रैः । तस्मात्तु मेघनादः प्रह्लादादिव विप्रैः ॥ ४ ॥
अथ द्रुपद उवाच ॥ पाण्डवस्य ह्यर्जुनस्य च योऽङ्गुलिर्धूमकेतुर्विजयः ॥
तस्मात्तु मेघनादः प्रह्लादादिव विप्रैः । तस्मात्तु मेघनादः प्रह्लादादिव विप्रैः ॥ ५ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

॥ १ ॥
॥ २ ॥
॥ ३ ॥
॥ ४ ॥
॥ ५ ॥
॥ ६ ॥
॥ ७ ॥
॥ ८ ॥
॥ ९ ॥
॥ १० ॥

॥ १ ॥ ॥ २ ॥ ॥ ३ ॥ ॥ ४ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ६ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ८ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ १० ॥
॥ ११ ॥ ॥ १२ ॥ ॥ १३ ॥ ॥ १४ ॥ ॥ १५ ॥ ॥ १६ ॥ ॥ १७ ॥ ॥ १८ ॥ ॥ १९ ॥ ॥ २० ॥
॥ २१ ॥ ॥ २२ ॥ ॥ २३ ॥ ॥ २४ ॥ ॥ २५ ॥ ॥ २६ ॥ ॥ २७ ॥ ॥ २८ ॥ ॥ २९ ॥ ॥ ३० ॥
॥ ३१ ॥ ॥ ३२ ॥ ॥ ३३ ॥ ॥ ३४ ॥ ॥ ३५ ॥ ॥ ३६ ॥ ॥ ३७ ॥ ॥ ३८ ॥ ॥ ३९ ॥ ॥ ४० ॥
॥ ४१ ॥ ॥ ४२ ॥ ॥ ४३ ॥ ॥ ४४ ॥ ॥ ४५ ॥ ॥ ४६ ॥ ॥ ४७ ॥ ॥ ४८ ॥ ॥ ४९ ॥ ॥ ५० ॥
॥ ५१ ॥ ॥ ५२ ॥ ॥ ५३ ॥ ॥ ५४ ॥ ॥ ५५ ॥ ॥ ५६ ॥ ॥ ५७ ॥ ॥ ५८ ॥ ॥ ५९ ॥ ॥ ६० ॥
॥ ६१ ॥ ॥ ६२ ॥ ॥ ६३ ॥ ॥ ६४ ॥ ॥ ६५ ॥ ॥ ६६ ॥ ॥ ६७ ॥ ॥ ६८ ॥ ॥ ६९ ॥ ॥ ७० ॥
॥ ७१ ॥ ॥ ७२ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७४ ॥ ॥ ७५ ॥ ॥ ७६ ॥ ॥ ७७ ॥ ॥ ७८ ॥ ॥ ७९ ॥ ॥ ८० ॥
॥ ८१ ॥ ॥ ८२ ॥ ॥ ८३ ॥ ॥ ८४ ॥ ॥ ८५ ॥ ॥ ८६ ॥ ॥ ८७ ॥ ॥ ८८ ॥ ॥ ८९ ॥ ॥ ९० ॥
॥ ९१ ॥ ॥ ९२ ॥ ॥ ९३ ॥ ॥ ९४ ॥ ॥ ९५ ॥ ॥ ९६ ॥ ॥ ९७ ॥ ॥ ९८ ॥ ॥ ९९ ॥ ॥ १०० ॥

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and mostly illegible due to fading and bleed-through from the reverse side.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible.]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥

[illegible]

[illegible]

२०। गे...
२१। ...
२२। ...
२३। ...
२४। ...
२५। ...

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

॥ २० ॥ ॥ ५५ ॥ ॥ ५६ ॥ ॥ ५७ ॥ ॥ ५८ ॥ ॥ ५९ ॥ ॥ ६० ॥ ॥ ६१ ॥ ॥ ६२ ॥ ॥ ६३ ॥ ॥ ६४ ॥ ॥ ६५ ॥ ॥ ६६ ॥ ॥ ६७ ॥ ॥ ६८ ॥ ॥ ६९ ॥ ॥ ७० ॥ ॥ ७१ ॥ ॥ ७२ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७४ ॥ ॥ ७५ ॥ ॥ ७६ ॥ ॥ ७७ ॥ ॥ ७८ ॥ ॥ ७९ ॥ ॥ ८० ॥ ॥ ८१ ॥ ॥ ८२ ॥ ॥ ८३ ॥ ॥ ८४ ॥ ॥ ८५ ॥ ॥ ८६ ॥ ॥ ८७ ॥ ॥ ८८ ॥ ॥ ८९ ॥ ॥ ९० ॥ ॥ ९१ ॥ ॥ ९२ ॥ ॥ ९३ ॥ ॥ ९४ ॥ ॥ ९५ ॥ ॥ ९६ ॥ ॥ ९७ ॥ ॥ ९८ ॥ ॥ ९९ ॥ ॥ १०० ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ श्रीकृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ २ ॥ ॥ ३ ॥ ॥ ४ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ६ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ८ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ १० ॥ ॥ ११ ॥ ॥ १२ ॥ ॥ १३ ॥ ॥ १४ ॥ ॥ १५ ॥ ॥ १६ ॥ ॥ १७ ॥ ॥ १८ ॥ ॥ १९ ॥ ॥ २० ॥ ॥ २१ ॥ ॥ २२ ॥ ॥ २३ ॥ ॥ २४ ॥ ॥ २५ ॥ ॥ २६ ॥ ॥ २७ ॥ ॥ २८ ॥ ॥ २९ ॥ ॥ ३० ॥ ॥ ३१ ॥ ॥ ३२ ॥ ॥ ३३ ॥ ॥ ३४ ॥ ॥ ३५ ॥ ॥ ३६ ॥ ॥ ३७ ॥ ॥ ३८ ॥ ॥ ३९ ॥ ॥ ४० ॥ ॥ ४१ ॥ ॥ ४२ ॥ ॥ ४३ ॥ ॥ ४४ ॥ ॥ ४५ ॥ ॥ ४६ ॥ ॥ ४७ ॥ ॥ ४८ ॥ ॥ ४९ ॥ ॥ ५० ॥ ॥ ५१ ॥ ॥ ५२ ॥ ॥ ५३ ॥ ॥ ५४ ॥ ॥ ५५ ॥ ॥ ५६ ॥ ॥ ५७ ॥ ॥ ५८ ॥ ॥ ५९ ॥ ॥ ६० ॥ ॥ ६१ ॥ ॥ ६२ ॥ ॥ ६३ ॥ ॥ ६४ ॥ ॥ ६५ ॥ ॥ ६६ ॥ ॥ ६७ ॥ ॥ ६८ ॥ ॥ ६९ ॥ ॥ ७० ॥ ॥ ७१ ॥ ॥ ७२ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७४ ॥ ॥ ७५ ॥ ॥ ७६ ॥ ॥ ७७ ॥ ॥ ७८ ॥ ॥ ७९ ॥ ॥ ८० ॥ ॥ ८१ ॥ ॥ ८२ ॥ ॥ ८३ ॥ ॥ ८४ ॥ ॥ ८५ ॥ ॥ ८६ ॥ ॥ ८७ ॥ ॥ ८८ ॥ ॥ ८९ ॥ ॥ ९० ॥ ॥ ९१ ॥ ॥ ९२ ॥ ॥ ९३ ॥ ॥ ९४ ॥ ॥ ९५ ॥ ॥ ९६ ॥ ॥ ९७ ॥ ॥ ९८ ॥ ॥ ९९ ॥ ॥ १०० ॥

[The text in this image is extremely faint and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to extreme blurring.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or damage.]

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and largely illegible due to fading or bleed-through from the reverse side. It appears to consist of several lines of handwritten script.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is highly faded and illegible due to extreme blurring.]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादात्
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिर्ब्रह्मविद्यायां
 कुरुक्षेत्रे समवेता मुनीनां प्रसादान्
 तस्माज्ज्ञातवानर्थं ज्ञानं परमात्मनो
 ह्यग्रत आसीत् ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे
 समवेता युयुत्सवाः काँशिराम उपाध्वरा
 भीमार्जुनसहा यकिविक्रान्तद्रुपः
 धर्मरथकेतुर्वीर्यवान् द्रुपदश्च गुप्ततमैस्तथा ॥
 सांबकाश्यपीशौ समीपे शूरा मल्लिकार्जुन-
 वीर्यवान् ॥ १ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

पृष्ठ संख्या : २०

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ।
अर्जुन उवाच । पाशेभ्यः शरीरेष्वपि कुरुपात्रेण यत्किञ्चिद्विद्धि ।
तस्मात्तु मे वारुणा दध्नुः पश्यन्निद्रां प्रमुखां त्रिशूलैश्च ।
उवाच । अहो महामुखा ! त्वया हि मया युधिष्ठिरः ।
उवाच । अहो महामुखा ! त्वया हि मया युधिष्ठिरः ।
उवाच । अहो महामुखा ! त्वया हि मया युधिष्ठिरः ।

卷之五

[illegible]

[The following text is highly degraded and illegible due to extreme blurring and noise. It appears to contain several lines of handwritten script.]

卷之四

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादात् ।
अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिर्ब्रह्मविद्यायां युधिष्ठिर उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे
संगच्छन्तः समवेतास्त्रियस्य सांख्ययोगिनः ॥ पाण्डवैरुक्त्वानिहंत्यैव त्वं
प्रतिष्ठापयिष्यसे मद्राजं पश्यैषिष्यते ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अथ श्रीकृष्ण उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सजीव । ॥ १ ॥ अर्जुन उवाच । द्रुपदमुनिराज ! मे पितुः परमं वीर्यम् । त्वं ह्यहमेव । ॥ २ ॥ द्रुपद उवाच । शूरो धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सजीव । ॥ ३ ॥ अर्जुन उवाच । द्रुपदमुनिराज ! मे पितुः परमं वीर्यम् । त्वं ह्यहमेव । ॥ ४ ॥ द्रुपद उवाच । शूरो धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सजीव । ॥ ५ ॥ अर्जुन उवाच । द्रुपदमुनिराज ! मे पितुः परमं वीर्यम् । त्वं ह्यहमेव । ॥ ६ ॥ द्रुपद उवाच । शूरो धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सजीव । ॥ ७ ॥ अर्जुन उवाच । द्रुपदमुनिराज ! मे पितुः परमं वीर्यम् । त्वं ह्यहमेव । ॥ ८ ॥ द्रुपद उवाच । शूरो धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सजीव । ॥ ९ ॥ अर्जुन उवाच । द्रुपदमुनिराज ! मे पितुः परमं वीर्यम् । त्वं ह्यहमेव । ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

91

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to extreme blurring.]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side of the page.]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । ॥ १० ॥

●

१. अस्मात्पुत्रस्य चरः पश्यन्तं प्रमादं कुरुते ॥ १ ॥

མཁའ་འགྲུབ་ལྷ་སྐྱེ་

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय :



[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

卷之四

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible. It appears to be a single line of handwritten script.]

[illegible]

22

[The text in this block is extremely faint and illegible due to extreme blurring and low contrast. It appears to be a dense paragraph of handwritten script.]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अथ श्रीकृष्ण उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैव ततः । द्रुपद उवाच । सौमेन्द्र ! त्वया प्रोक्तम् । श्रुत्वा हि महर्षि परमात्मनः । उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैव ततः । द्रुपद उवाच । सौमेन्द्र ! त्वया प्रोक्तम् । श्रुत्वा हि महर्षि परमात्मनः ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।
 अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥
 अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिर्ब्रह्मविद्यायां
 कुरुक्षेत्रे समवेत्ता महाशूरा वराहा ॥
 तस्मात्तु मे ब्रूहि यत्किञ्चित्समाहितः
 श्रोतुं प्राप्नुयान्मृत्योर्मुक्तये ॥ १ ॥
 द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे
 समवेता संभूताः सर्वे आकाशस्थेव
 निश्चला मया मातुलमात्राणि विना ॥
 ह्यर्जुन त्वमेकाग्रो भूतवाचः समाधाय ॥
 शृणु मे ब्रूयिष्यामि ते सत्यमश्रितम् ॥ २ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ पाण्डुपुत्रोऽयं पाण्डवः
 प्रपन्नः पश्यति कुप्यन्तींस्तु तावदात्मनः ॥
 चिरं धीमतामहं विचार्य पाण्डुपुत्रतः ॥
 तद्द्रष्टुमर्हताकुरूपास्तु न परिकल्पयेत् ॥ ३ ॥
 द्रुपद उवाच ॥ अहं हि पाण्डव नृप ॥
 त्वामहं प्रपद्यमानोऽस्मि त्वत्पदसेवितम् ॥
 त्वत्पदसेवितोऽहं त्वत्पदसेवितवान् ॥
 त्वत्पदसेवितोऽहं त्वत्पदसेवितवान् ॥ ४ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ त्वत्पदसेवितोऽहं
 त्वत्पदसेवितवान् त्वत्पदसेवितवान् ॥
 त्वत्पदसेवितोऽहं त्वत्पदसेवितवान् ॥
 त्वत्पदसेवितोऽहं त्वत्पदसेवितवान् ॥ ५ ॥
 द्रुपद उवाच ॥ अहं हि पाण्डव नृप ॥
 त्वामहं प्रपद्यमानोऽस्मि त्वत्पदसेवितम् ॥
 त्वत्पदसेवितोऽहं त्वत्पदसेवितवान् ॥
 त्वत्पदसेवितोऽहं त्वत्पदसेवितवान् ॥ ६ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ त्वत्पदसेवितोऽहं
 त्वत्पदसेवितवान् त्वत्पदसेवितवान् ॥
 त्वत्पदसेवितोऽहं त्वत्पदसेवितवान् ॥
 त्वत्पदसेवितोऽहं त्वत्पदसेवितवान् ॥ ७ ॥
 द्रुपद उवाच ॥ अहं हि पाण्डव नृप ॥
 त्वामहं प्रपद्यमानोऽस्मि त्वत्पदसेवितम् ॥
 त्वत्पदसेवितोऽहं त्वत्पदसेवितवान् ॥
 त्वत्पदसेवितोऽहं त्वत्पदसेवितवान् ॥ ८ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ त्वत्पदसेवितोऽहं
 त्वत्पदसेवितवान् त्वत्पदसेवितवान् ॥
 त्वत्पदसेवितोऽहं त्वत्पदसेवितवान् ॥
 त्वत्पदसेवितोऽहं त्वत्पदसेवितवान् ॥ ९ ॥
 द्रुपद उवाच ॥ अहं हि पाण्डव नृप ॥
 त्वामहं प्रपद्यमानोऽस्मि त्वत्पदसेवितम् ॥
 त्वत्पदसेवितोऽहं त्वत्पदसेवितवान् ॥
 त्वत्पदसेवितोऽहं त्वत्पदसेवितवान् ॥ १० ॥

卷之四

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faint and illegible due to low contrast and blurring.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

א
ב
ג
ד
ה
ו
ז
ח
ט
י
יא
יב
יג
יד
טו
טז
יז
יח
יט
כ
כא
כב
כג
כד
כה
כו
כז
כח
כט
ל

א
ב
ג
ד
ה
ו
ז
ח
ט
י
יא
יב
יג
יד
טו
טז
יז
יח
יט
כ
כא
כב
כג
כד
כה
כו
כז
כח
כט
ל

1. 2. 3. 4. 5. 6. 7. 8. 9. 10. 11. 12. 13. 14. 15. 16. 17. 18. 19. 20. 21. 22. 23. 24. 25. 26. 27. 28. 29. 30. 31. 32. 33. 34. 35. 36. 37. 38. 39. 40. 41. 42. 43. 44. 45. 46. 47. 48. 49. 50. 51. 52. 53. 54. 55. 56. 57. 58. 59. 60. 61. 62. 63. 64. 65. 66. 67. 68. 69. 70. 71. 72. 73. 74. 75. 76. 77. 78. 79. 80. 81. 82. 83. 84. 85. 86. 87. 88. 89. 90. 91. 92. 93. 94. 95. 96. 97. 98. 99. 100. 101. 102. 103. 104. 105. 106. 107. 108. 109. 110. 111. 112. 113. 114. 115. 116. 117. 118. 119. 120. 121. 122. 123. 124. 125. 126. 127. 128. 129. 130. 131. 132. 133. 134. 135. 136. 137. 138. 139. 140. 141. 142. 143. 144. 145. 146. 147. 148. 149. 150. 151. 152. 153. 154. 155. 156. 157. 158. 159. 160. 161. 162. 163. 164. 165. 166. 167. 168. 169. 170. 171. 172. 173. 174. 175. 176. 177. 178. 179. 180. 181. 182. 183. 184. 185. 186. 187. 188. 189. 190. 191. 192. 193. 194. 195. 196. 197. 198. 199. 200. 201. 202. 203. 204. 205. 206. 207. 208. 209. 210. 211. 212. 213. 214. 215. 216. 217. 218. 219. 220. 221. 222. 223. 224. 225. 226. 227. 228. 229. 230. 231. 232. 233. 234. 235. 236. 237. 238. 239. 240. 241. 242. 243. 244. 245. 246. 247. 248. 249. 250. 251. 252. 253. 254. 255. 256. 257. 258. 259. 260. 261. 262. 263. 264. 265. 266. 267. 268. 269. 270. 271. 272. 273. 274. 275. 276. 277. 278. 279. 280. 281. 282. 283. 284. 285. 286. 287. 288. 289. 290. 291. 292. 293. 294. 295. 296. 297. 298. 299. 300. 301. 302. 303. 304. 305. 306. 307. 308. 309. 310. 311. 312. 313. 314. 315. 316. 317. 318. 319. 320. 321. 322. 323. 324. 325. 326. 327. 328. 329. 330. 331. 332. 333. 334. 335. 336. 337. 338. 339. 340. 341. 342. 343. 344. 345. 346. 347. 348. 349. 350. 351. 352. 353. 354. 355. 356. 357. 358. 359. 360. 361. 362. 363. 364. 365. 366. 367. 368. 369. 370. 371. 372. 373. 374. 375. 376. 377. 378. 379. 380. 381. 382. 383. 384. 385. 386. 387. 388. 389. 390. 391. 392. 393. 394. 395. 396. 397. 398. 399. 400. 401. 402. 403. 404. 405. 406. 407. 408. 409. 410. 411. 412. 413. 414. 415. 416. 417. 418. 419. 420. 421. 422. 423. 424. 425. 426. 427. 428. 429. 430. 431. 432. 433. 434. 435. 436. 437. 438. 439. 440. 441. 442. 443. 444. 445. 446. 447. 448. 449. 450. 451. 452. 453. 454. 455. 456. 457. 458. 459. 460. 461. 462. 463. 464. 465. 466. 467. 468. 469. 470. 471. 472. 473. 474. 475. 476. 477. 478. 479. 480. 481. 482. 483. 484. 485. 486. 487. 488. 489. 490. 491. 492. 493. 494. 495. 496. 497. 498. 499. 500. 501. 502. 503. 504. 505. 506. 507. 508. 509. 510. 511. 512. 513. 514. 515. 516. 517. 518. 519. 520. 521. 522. 523. 524. 525. 526. 527. 528. 529. 530. 531. 532. 533. 534. 535. 536. 537. 538. 539. 540. 541. 542. 543. 544. 545. 546. 547. 548. 549. 550. 551. 552. 553. 554. 555. 556. 557. 558. 559. 560. 561. 562. 563. 564. 565. 566. 567. 568. 569. 570. 571. 572. 573. 574. 575. 576. 577. 578. 579. 580. 581. 582. 583. 584. 585. 586. 587. 588. 589. 590. 591. 592. 593. 594. 595. 596. 597. 598. 599. 600. 601. 602. 603. 604. 605. 606. 607. 608. 609. 610. 611. 612. 613. 614. 615. 616. 617. 618. 619. 620. 621. 622. 623. 624. 625. 626. 627. 628. 629. 630. 631. 632. 633. 634. 635. 636. 637. 638. 639. 640. 641. 642. 643. 644. 645. 646. 647. 648. 649. 650. 651. 652. 653. 654. 655. 656. 657. 658. 659. 660. 661. 662. 663. 664. 665. 666. 667. 668. 669. 670. 671. 672. 673. 674. 675. 676. 677. 678. 679. 680. 681. 682. 683. 684. 685. 686. 687. 688. 689. 690. 691. 692. 693. 694. 695. 696. 697. 698. 699. 700. 701. 702. 703. 704. 705. 706. 707. 708. 709. 710. 711. 712. 713. 714. 715. 716. 717. 718. 719. 720. 721. 722. 723. 724. 725. 726. 727. 728. 729. 730. 731. 732. 733. 734. 735. 736. 737. 738. 739. 740. 741. 742. 743. 744. 745. 746. 747. 748. 749. 750. 751. 752. 753. 754. 755. 756. 757. 758. 759. 760. 761. 762. 763. 764. 765. 766. 767. 768. 769. 770. 771. 772. 773. 774. 775. 776. 777. 778. 779. 780. 781. 782. 783. 784. 785. 786. 787. 788. 789. 790. 791. 792. 793. 794. 795. 796. 797. 798. 799. 800. 801. 802. 803. 804. 805. 806. 807. 808. 809. 810. 811. 812. 813. 814. 815. 816. 817. 818. 819. 820. 821. 822. 823. 824. 825. 826. 827. 828. 829. 830. 831. 832. 833. 834. 835. 836. 837. 838. 839. 840.

291

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this section is extremely faint and illegible due to fading or damage.]

[The following text is extremely faint and illegible due to poor scan quality.]

221

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷一百一十五

[illegible]

卷之五

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

२१। ॥ २५॥ ॥ २६॥ ॥ २७॥ ॥ २८॥ ॥ २९॥ ॥ ३०॥ ॥ ३१॥ ॥ ३२॥ ॥ ३३॥ ॥ ३४॥ ॥ ३५॥ ॥ ३६॥ ॥ ३७॥ ॥ ३८॥ ॥ ३९॥ ॥ ४०॥ ॥ ४१॥ ॥ ४२॥ ॥ ४३॥ ॥ ४४॥ ॥ ४५॥ ॥ ४६॥ ॥ ४७॥ ॥ ४८॥ ॥ ४९॥ ॥ ५०॥ ॥ ५१॥ ॥ ५२॥ ॥ ५३॥ ॥ ५४॥ ॥ ५५॥ ॥ ५६॥ ॥ ५७॥ ॥ ५८॥ ॥ ५९॥ ॥ ६०॥ ॥ ६१॥ ॥ ६२॥ ॥ ६३॥ ॥ ६४॥ ॥ ६५॥ ॥ ६६॥ ॥ ६७॥ ॥ ६८॥ ॥ ६९॥ ॥ ७०॥ ॥ ७१॥ ॥ ७२॥ ॥ ७३॥ ॥ ७४॥ ॥ ७५॥ ॥ ७६॥ ॥ ७७॥ ॥ ७८॥ ॥ ७९॥ ॥ ८०॥ ॥ ८१॥ ॥ ८२॥ ॥ ८३॥ ॥ ८४॥ ॥ ८५॥ ॥ ८६॥ ॥ ८७॥ ॥ ८८॥ ॥ ८९॥ ॥ ९०॥ ॥ ९१॥ ॥ ९२॥ ॥ ९३॥ ॥ ९४॥ ॥ ९५॥ ॥ ९६॥ ॥ ९७॥ ॥ ९८॥ ॥ ९९॥ ॥ १००॥ ॥

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादात् । अर्जुन उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतसः
 मामका पांडवश्चैव तत्र मया । सहा द्रुपद उग्रकेतुश्च वीर्यवान् ॥ १ ॥
 भीमार्जुनसमा युधि युधामन्युश्च वीरवान् । द्रुपद उग्रकेतुश्चैव तत्र मया ॥ २ ॥
 अश्वत्थामा द्रुपदश्चैव तत्र मया । भीमार्जुनसमा युधि युधामन्युश्च वीरवान् ॥ ३ ॥
 अथ कुरुक्षेत्रे संभवम् । तदा द्रुपद उवाच । पांडव महारथे स्थितः परमपूज्यः
 कुरुक्षेत्रे युद्धे मया प्रतिपद्यमानः । भीमार्जुनसमा युधि युधामन्युश्च वीरवान् ॥ ४ ॥
 अथ कुरुक्षेत्रे संभवम् । तदा द्रुपद उवाच । पांडव महारथे स्थितः परमपूज्यः
 कुरुक्षेत्रे युद्धे मया प्रतिपद्यमानः । भीमार्जुनसमा युधि युधामन्युश्च वीरवान् ॥ ५ ॥
 अथ कुरुक्षेत्रे संभवम् । तदा द्रुपद उवाच । पांडव महारथे स्थितः परमपूज्यः
 कुरुक्षेत्रे युद्धे मया प्रतिपद्यमानः । भीमार्जुनसमा युधि युधामन्युश्च वीरवान् ॥ ६ ॥
 अथ कुरुक्षेत्रे संभवम् । तदा द्रुपद उवाच । पांडव महारथे स्थितः परमपूज्यः
 कुरुक्षेत्रे युद्धे मया प्रतिपद्यमानः । भीमार्जुनसमा युधि युधामन्युश्च वीरवान् ॥ ७ ॥
 अथ कुरुक्षेत्रे संभवम् । तदा द्रुपद उवाच । पांडव महारथे स्थितः परमपूज्यः
 कुरुक्षेत्रे युद्धे मया प्रतिपद्यमानः । भीमार्जुनसमा युधि युधामन्युश्च वीरवान् ॥ ८ ॥
 अथ कुरुक्षेत्रे संभवम् । तदा द्रुपद उवाच । पांडव महारथे स्थितः परमपूज्यः
 कुरुक्षेत्रे युद्धे मया प्रतिपद्यमानः । भीमार्जुनसमा युधि युधामन्युश्च वीरवान् ॥ ९ ॥
 अथ कुरुक्षेत्रे संभवम् । तदा द्रुपद उवाच । पांडव महारथे स्थितः परमपूज्यः
 कुरुक्षेत्रे युद्धे मया प्रतिपद्यमानः । भीमार्जुनसमा युधि युधामन्युश्च वीरवान् ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुनस्य वचनम् ॥
 द्रष्टुं शक्नुमि त्वां ह्यस्मात्पुत्रं कुरुक्षेत्रे समवेता
 युयुत्सवः परमधर्मो विभो बभूवुः ॥ १ ॥ किं कुर्वीमहे
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता यामासुः ॥ २ ॥ समासे
 मीमान्सां महाबाहो ययौ युधिष्ठिरः ॥ ३ ॥ स पादोन्मथ्य
 पुरन्दरं प्रह्वयित्वा ॥ ४ ॥ पुनस्तदा जयमुवाच ॥ ५ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ ६ ॥ द्रुपद उवाच ॥ ७ ॥ कृपा उवाच ॥ ८ ॥
 भीम उवाच ॥ ९ ॥ साधु उवाच ॥ १० ॥ अर्जुन उवाच ॥ ११ ॥
 कृष्ण उवाच ॥ १२ ॥ अर्जुन उवाच ॥ १३ ॥ कृष्ण उवाच ॥ १४ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ १५ ॥ कृष्ण उवाच ॥ १६ ॥ अर्जुन उवाच ॥ १७ ॥
 कृष्ण उवाच ॥ १८ ॥ अर्जुन उवाच ॥ १९ ॥ कृष्ण उवाच ॥ २० ॥
 अर्जुन उवाच ॥ २१ ॥ कृष्ण उवाच ॥ २२ ॥ अर्जुन उवाच ॥ २३ ॥
 कृष्ण उवाच ॥ २४ ॥ अर्जुन उवाच ॥ २५ ॥ कृष्ण उवाच ॥ २६ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ २७ ॥ कृष्ण उवाच ॥ २८ ॥ अर्जुन उवाच ॥ २९ ॥
 कृष्ण उवाच ॥ ३० ॥ अर्जुन उवाच ॥ ३१ ॥ कृष्ण उवाच ॥ ३२ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ ३३ ॥ कृष्ण उवाच ॥ ३४ ॥ अर्जुन उवाच ॥ ३५ ॥
 कृष्ण उवाच ॥ ३६ ॥ अर्जुन उवाच ॥ ३७ ॥ कृष्ण उवाच ॥ ३८ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ ३९ ॥ कृष्ण उवाच ॥ ४० ॥ अर्जुन उवाच ॥ ४१ ॥
 कृष्ण उवाच ॥ ४२ ॥ अर्जुन उवाच ॥ ४३ ॥ कृष्ण उवाच ॥ ४४ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ ४५ ॥ कृष्ण उवाच ॥ ४६ ॥ अर्जुन उवाच ॥ ४७ ॥
 कृष्ण उवाच ॥ ४८ ॥ अर्जुन उवाच ॥ ४९ ॥ कृष्ण उवाच ॥ ५० ॥
 अर्जुन उवाच ॥ ५१ ॥ कृष्ण उवाच ॥ ५२ ॥ अर्जुन उवाच ॥ ५३ ॥
 कृष्ण उवाच ॥ ५४ ॥ अर्जुन उवाच ॥ ५५ ॥ कृष्ण उवाच ॥ ५६ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ ५७ ॥ कृष्ण उवाच ॥ ५८ ॥ अर्जुन उवाच ॥ ५९ ॥
 कृष्ण उवाच ॥ ६० ॥ अर्जुन उवाच ॥ ६१ ॥ कृष्ण उवाच ॥ ६२ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ ६३ ॥ कृष्ण उवाच ॥ ६४ ॥ अर्जुन उवाच ॥ ६५ ॥
 कृष्ण उवाच ॥ ६६ ॥ अर्जुन उवाच ॥ ६७ ॥ कृष्ण उवाच ॥ ६८ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ ६९ ॥ कृष्ण उवाच ॥ ७० ॥ अर्जुन उवाच ॥ ७१ ॥
 कृष्ण उवाच ॥ ७२ ॥ अर्जुन उवाच ॥ ७३ ॥ कृष्ण उवाच ॥ ७४ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ ७५ ॥ कृष्ण उवाच ॥ ७६ ॥ अर्जुन उवाच ॥ ७७ ॥
 कृष्ण उवाच ॥ ७८ ॥ अर्जुन उवाच ॥ ७९ ॥ कृष्ण उवाच ॥ ८० ॥
 अर्जुन उवाच ॥ ८१ ॥ कृष्ण उवाच ॥ ८२ ॥ अर्जुन उवाच ॥ ८३ ॥
 कृष्ण उवाच ॥ ८४ ॥ अर्जुन उवाच ॥ ८५ ॥ कृष्ण उवाच ॥ ८६ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ ८७ ॥ कृष्ण उवाच ॥ ८८ ॥ अर्जुन उवाच ॥ ८९ ॥
 कृष्ण उवाच ॥ ९० ॥ अर्जुन उवाच ॥ ९१ ॥ कृष्ण उवाच ॥ ९२ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ ९३ ॥ कृष्ण उवाच ॥ ९४ ॥ अर्जुन उवाच ॥ ९५ ॥
 कृष्ण उवाच ॥ ९६ ॥ अर्जुन उवाच ॥ ९७ ॥ कृष्ण उवाच ॥ ९८ ॥
 अर्जुन उवाच ॥ ९९ ॥ कृष्ण उवाच ॥ १०० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]

[The following text is highly illegible due to extreme blurring and low resolution.]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷之四

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अष्टादशोऽध्यायः ॥

अथ कुरुपुत्र उवाच ॥ द्रुपदमुनिर्वाक्यं ब्रूयात् ॥
द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतसः ॥
माभिमन्युः पांडवश्चैव किमकुर्वत सा संजय ॥
सर्वकर्माणि भवन्तीत्युवाच स तदात्मनः ॥
सर्वज्ञः परमेष्ठिना ज्ञानविद्यया समाप्तः ॥
ब्रह्मविद्यायां योगयोगः खल्विहात्मनः ॥
उवाच ॥ सुमहर्षिगणेशाय नमः ॥
आसीत्पांडवस्तदा ॥ आचार्यमुपसंगम्य ॥
वन्द्यमानं कुंजरं वीर्यवान् ॥
उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥
सर्वज्ञः परमेष्ठिना ज्ञानविद्यया समाप्तः ॥
ब्रह्मविद्यायां योगयोगः खल्विहात्मनः ॥

[illegible]



卷之六

天

[illegible]

10

[illegible]

[illegible]

॥ ३॥
॥ १ ॥ ॥ २ ॥ ॥ ३ ॥ ॥ ४ ॥ ॥ ५ ॥ ॥ ६ ॥ ॥ ७ ॥ ॥ ८ ॥ ॥ ९ ॥ ॥ १० ॥ ॥ ११ ॥ ॥ १२ ॥ ॥ १३ ॥ ॥ १४ ॥ ॥ १५ ॥ ॥ १६ ॥ ॥ १७ ॥ ॥ १८ ॥ ॥ १९ ॥ ॥ २० ॥ ॥ २१ ॥ ॥ २२ ॥ ॥ २३ ॥ ॥ २४ ॥ ॥ २५ ॥ ॥ २६ ॥ ॥ २७ ॥ ॥ २८ ॥ ॥ २९ ॥ ॥ ३० ॥ ॥ ३१ ॥ ॥ ३२ ॥ ॥ ३३ ॥ ॥ ३४ ॥ ॥ ३५ ॥ ॥ ३६ ॥ ॥ ३७ ॥ ॥ ३८ ॥ ॥ ३९ ॥ ॥ ४० ॥ ॥ ४१ ॥ ॥ ४२ ॥ ॥ ४३ ॥ ॥ ४४ ॥ ॥ ४५ ॥ ॥ ४६ ॥ ॥ ४७ ॥ ॥ ४८ ॥ ॥ ४९ ॥ ॥ ५० ॥ ॥ ५१ ॥ ॥ ५२ ॥ ॥ ५३ ॥ ॥ ५४ ॥ ॥ ५५ ॥ ॥ ५६ ॥ ॥ ५७ ॥ ॥ ५८ ॥ ॥ ५९ ॥ ॥ ६० ॥ ॥ ६१ ॥ ॥ ६२ ॥ ॥ ६३ ॥ ॥ ६४ ॥ ॥ ६५ ॥ ॥ ६६ ॥ ॥ ६७ ॥ ॥ ६८ ॥ ॥ ६९ ॥ ॥ ७० ॥ ॥ ७१ ॥ ॥ ७२ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७४ ॥ ॥ ७५ ॥ ॥ ७६ ॥ ॥ ७७ ॥ ॥ ७८ ॥ ॥ ७९ ॥ ॥ ८० ॥ ॥ ८१ ॥ ॥ ८२ ॥ ॥ ८३ ॥ ॥ ८४ ॥ ॥ ८५ ॥ ॥ ८६ ॥ ॥ ८७ ॥ ॥ ८८ ॥ ॥ ८९ ॥ ॥ ९० ॥ ॥ ९१ ॥ ॥ ९२ ॥ ॥ ९३ ॥ ॥ ९४ ॥ ॥ ९५ ॥ ॥ ९६ ॥ ॥ ९७ ॥ ॥ ९८ ॥ ॥ ९९ ॥ ॥ १०० ॥

[illegible]

21

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

29

[illegible][illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

(The following text is highly degraded and mostly illegible due to severe blurring and noise.)

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

(The following text is extremely faint and largely illegible due to extreme blur and low contrast. It appears to be a continuous passage of Sanskrit or Indic script.)

(Faint handwritten text in Devanagari script, likely bleed-through from the reverse side of the page.)

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text appears to be bleed-through from another page or contains extremely faint handwriting. It includes several lines starting with "हे भगवन्" and other religious phrases.]

[illegible]

22

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टाध्याय्ये अष्टमोऽध्यायः ॥
 अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अर्जुन उवाच ॥ द्रुपद उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता
 युयुत्सवः मामकाः पाण्डवाश्चैव ॥ तत्रैव तव हृत्पुत्रो जयद्रथ उवाच ॥ १ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading and bleed-through from the reverse side. It appears to be a continuation of the philosophical or religious discourse found in the preceding pages.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this image is extremely faded and illegible due to low contrast and blurring.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टाध्याय्ये अष्टमोऽध्यायः ॥ १ ॥
 अथ भगवत्पुनरुवाच ॥ अहो भूतधर्मस्य कर्तृमहो ॥ १ ॥
 अहं कर्ता ह्यहं भूतधर्मस्य कर्ता ॥ २ ॥
 अहं कर्ता ह्यहं भूतधर्मस्य कर्ता ॥ ३ ॥
 अहं कर्ता ह्यहं भूतधर्मस्य कर्ता ॥ ४ ॥
 अहं कर्ता ह्यहं भूतधर्मस्य कर्ता ॥ ५ ॥
 अहं कर्ता ह्यहं भूतधर्मस्य कर्ता ॥ ६ ॥
 अहं कर्ता ह्यहं भूतधर्मस्य कर्ता ॥ ७ ॥
 अहं कर्ता ह्यहं भूतधर्मस्य कर्ता ॥ ८ ॥
 अहं कर्ता ह्यहं भूतधर्मस्य कर्ता ॥ ९ ॥
 अहं कर्ता ह्यहं भूतधर्मस्य कर्ता ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

...
...
...
...
...
...
...

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

१. अथ विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ।
विष्णुं नमस्कृत्य भक्त्या तत्तत्पदं पठेत् ।
अथ विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ।
विष्णुं नमस्कृत्य भक्त्या तत्तत्पदं पठेत् ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this image is extremely faint and illegible.]

...
...
...
...
...
...
...
...
...
...

201

14

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

201

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुनस्य वचनम् ॥ १ ॥
अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् । अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिप्रिय ! त्वया प्रोक्तं श्रुत्वा
हृदि मे व्यथितं मनः । त्वं हि मे पुरा ज्ञापयिष्यस्व मे ॥ २ ॥
तदा ह्यर्जुन उवाच ॥ द्रुपद ! त्वं हि मे पुरा ज्ञापयिष्यस्व मे ॥ ३ ॥
तदा ह्यर्जुन उवाच ॥ द्रुपद ! त्वं हि मे पुरा ज्ञापयिष्यस्व मे ॥ ४ ॥
तदा ह्यर्जुन उवाच ॥ द्रुपद ! त्वं हि मे पुरा ज्ञापयिष्यस्व मे ॥ ५ ॥
तदा ह्यर्जुन उवाच ॥ द्रुपद ! त्वं हि मे पुरा ज्ञापयिष्यस्व मे ॥ ६ ॥
तदा ह्यर्जुन उवाच ॥ द्रुपद ! त्वं हि मे पुरा ज्ञापयिष्यस्व मे ॥ ७ ॥
तदा ह्यर्जुन उवाच ॥ द्रुपद ! त्वं हि मे पुरा ज्ञापयिष्यस्व मे ॥ ८ ॥
तदा ह्यर्जुन उवाच ॥ द्रुपद ! त्वं हि मे पुरा ज्ञापयिष्यस्व मे ॥ ९ ॥
तदा ह्यर्जुन उवाच ॥ द्रुपद ! त्वं हि मे पुरा ज्ञापयिष्यस्व मे ॥ १० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

॥ अथ पठ गच्छेत्संस्तुतुं शुभं ॥ १ ॥ अथ पठ गच्छेत्संस्तुतुं शुभं ॥ १ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् । द्रुपद उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैतानि त्वमेकाग्रचित्तं प्रोक्ष्य ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

५२ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ १ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥ ३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥ ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

21

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अर्जुन उवाच । पादौ ध्यात्वा त्रिभुवनं पश्येति धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुतसः । मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत संजय ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to significant fading and bleed-through from the reverse side of the page.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

15

卷之四

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे । अर्जुन उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः । मामकाः पाण्डवाश्चैतानि सैन्यानि ॥ १ ॥

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faded and illegible due to extreme blur and low contrast.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

$\frac{1}{x^2} = x^{-2}$

[illegible]

[The following text is highly degraded and mostly illegible due to extreme blurring and noise. It appears to be a single-line transcription from a manuscript.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]



230

۱۵۱

9-3

70

WIFE

[illegible]

[illegible]

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

ॐ

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or damage.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

संस्कृत-भाषा

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

100
 101
 102
 103
 104
 105
 106
 107
 108
 109
 110
 111
 112
 113
 114
 115
 116
 117
 118
 119
 120
 121
 122
 123
 124
 125
 126
 127
 128
 129
 130
 131
 132
 133
 134
 135
 136
 137
 138
 139
 140
 141
 142
 143
 144
 145
 146
 147
 148
 149
 150
 151
 152
 153
 154
 155
 156
 157
 158
 159
 160
 161
 162
 163
 164
 165
 166
 167
 168
 169
 170
 171
 172
 173
 174
 175
 176
 177
 178
 179
 180
 181
 182
 183
 184
 185
 186
 187
 188
 189
 190
 191
 192
 193
 194
 195
 196
 197
 198
 199
 200

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[The text in this image is extremely faint and illegible due to low contrast and blurring.]

[illegible]

॥ सुप्रसन्नः । देव्यं च त्रुत्तया प्रिये भगवन् । मेरुपर्वतमयदेव्यो हरे । नृपतिर्भूत्वा कुम्भाप्रियेण केन महेन्द्रकुम्बपरदण्डात्तत्र पश्येत् । अथ कुरु । वीर । पुनश्च देवी । पुनश्च देव्यं । अथ कुरु ।
विष्णवे नृपतिर्भूत्वा प्रिये भगवन् । देव्या प्रियेण कुम्भाप्रियेण परमेष्ठिनः । अथ कुरु । देव्यं च त्रुत्तया प्रिये भगवन् । मेरुपर्वतमयदेव्यो हरे । नृपतिर्भूत्वा कुम्भाप्रियेण केन महेन्द्रकुम्बपरदण्डात्तत्र पश्येत् । अथ कुरु ।
केशवदेव्यं च त्रुत्तया प्रिये भगवन् । देव्या प्रियेण कुम्भाप्रियेण परमेष्ठिनः । अथ कुरु । देव्यं च त्रुत्तया प्रिये भगवन् । मेरुपर्वतमयदेव्यो हरे । नृपतिर्भूत्वा कुम्भाप्रियेण केन महेन्द्रकुम्बपरदण्डात्तत्र पश्येत् । अथ कुरु ।
अथ कुरु । देव्यं च त्रुत्तया प्रिये भगवन् । देव्या प्रियेण कुम्भाप्रियेण परमेष्ठिनः । अथ कुरु । देव्यं च त्रुत्तया प्रिये भगवन् । मेरुपर्वतमयदेव्यो हरे । नृपतिर्भूत्वा कुम्भाप्रियेण केन महेन्द्रकुम्बपरदण्डात्तत्र पश्येत् । अथ कुरु ।

[illegible]

[illegible]

2017

[The text in this image is extremely faint and illegible due to low contrast and blurring. It appears to be a continuous passage of handwritten script.]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to extreme fading or bleed-through from the reverse side.]

१६७३३

[illegible]

[illegible]

CEB 2A

100

24

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

5

吳昌碩

24

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]



3

25

[illegible]

[illegible]

157

2

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

19



24

[illegible]

[illegible]

१३७। - ॥ अथ विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ॥ १३७।
 १३८। - ॥ अथ विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ॥ १३८।
 १३९। - ॥ अथ विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ॥ १३९।
 १४०। - ॥ अथ विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ॥ १४०।
 १४१। - ॥ अथ विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ॥ १४१।
 १४२। - ॥ अथ विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ॥ १४२।
 १४३। - ॥ अथ विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ॥ १४३।
 १४४। - ॥ अथ विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ॥ १४४।
 १४५। - ॥ अथ विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ॥ १४५।
 १४६। - ॥ अथ विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ॥ १४६।
 १४७। - ॥ अथ विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ॥ १४७।
 १४८। - ॥ अथ विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ॥ १४८।
 १४९। - ॥ अथ विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ॥ १४९।
 १५०। - ॥ अथ विष्णुसहस्रनामस्तोत्रम् ॥ १५०।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमः । अथ भगवत्पदं विनाशकं दद्यात् ।

१५५ पर्वत पर्वत रूपायै वा भविस्यत्तद्वैद्यदे

॥ अथ श्रीगणेशाय नमः ॥

कु.प.नं.२५ । २८ योऽयं कुरुते प्रियमुपायम् । अथ पुण्यवदयेत् पुनः सुखमये हृष्टा ॥ २९ ॥

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । यन्मन्त्रं ब्रूयन् पश्यन् वा । वासुदेवः ।

॥ यथा ह्यपि तत्रैव पश्यन् पश्यन् पश्यन् पश्यन् ॥ यथा ह्यपि तत्रैव पश्यन् पश्यन् पश्यन् पश्यन् ॥

[illegible]

सर्वत्र भूतानां चैव वदन्त्यस्मिन् पञ्चमः । कृष्णपद्मायुक्तः स्यात् ।
अथैवमेव । अथैव । अथैव । अथैव । अथैव । अथैव । अथैव । अथैव ।

(Faint handwritten notes at the bottom of the page)

ममदक्षिणसुखं पश्यन्तु ममदक्षिणसुखं पश्यन्तु ममदक्षिणसुखं पश्यन्तु

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

205

[illegible]

[illegible]

[The following text is highly illegible due to extreme blurring and low resolution. It appears to be a continuous passage of handwritten script.]

[illegible]

[illegible]

卷之五

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुन उवाच ॥ द्रुपदमुनिर्ब्रह्मविद्यायां युधिष्ठिर उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पांडवश्चैतानि खड्गधरास्तदा ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

एकदशमस्कन्धे

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this image is extremely faint and illegible due to low contrast and blurring. It appears to be a continuation of the Sanskrit script from the previous block.]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । नमः शिवाय नमः । नमः श्रीगणेशाय नमः । नमः श्रीकृष्णाय नमः । नमः श्रीरामाय नमः । नमः श्रीबाल्याय नमः । नमः श्रीजयन्ताय नमः । नमः श्रीनारायणाय नमः । नमः श्रीवराहनाथाय नमः । नमः श्रीमहादेवाय नमः । नमः श्रीशंकराचार्याय नमः । नमः श्रीविठ्ठलाय नमः । नमः श्रीचक्रवर्तीराजाय नमः । नमः श्रीलोकेश्वराय नमः । नमः श्रीपद्मनाभाय नमः । नमः श्रीसूर्यदेवाय नमः । नमः श्रीवासुदेवाय नमः । नमः श्रीभक्तानन्दाय नमः । नमः श्रीधर्मदायाय नमः । नमः श्रीप्रसादनाथाय नमः । नमः श्रीसत्यमेव जयते । नमः श्रीनमो भगवते वासुदेवाय ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faded and illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

सुखी कुली

[illegible]

[illegible]

[illegible][illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमः । ५७ । ॐ नमः । ५८ । ॐ नमः । ५९ । ॐ नमः । ६० । ॐ नमः । ६१ । ॐ नमः । ६२ । ॐ नमः । ६३ । ॐ नमः । ६४ । ॐ नमः । ६५ । ॐ नमः । ६६ । ॐ नमः । ६७ । ॐ नमः । ६८ । ॐ नमः । ६९ । ॐ नमः । ७० । ॐ नमः । ७१ । ॐ नमः । ७२ । ॐ नमः । ७३ । ॐ नमः । ७४ । ॐ नमः । ७५ । ॐ नमः । ७६ । ॐ नमः । ७७ । ॐ नमः । ७८ । ॐ नमः । ७९ । ॐ नमः । ८० । ॐ नमः । ८१ । ॐ नमः । ८२ । ॐ नमः । ८३ । ॐ नमः । ८४ । ॐ नमः । ८५ । ॐ नमः । ८६ । ॐ नमः । ८७ । ॐ नमः । ८८ । ॐ नमः । ८९ । ॐ नमः । ९० । ॐ नमः । ९१ । ॐ नमः । ९२ । ॐ नमः । ९३ । ॐ नमः । ९४ । ॐ नमः । ९५ । ॐ नमः । ९६ । ॐ नमः । ९७ । ॐ नमः । ९८ । ॐ नमः । ९९ । ॐ नमः । १०० । ॐ नमः ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

45

Pay

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faded and largely illegible due to poor scan quality.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

01/01/2017

五

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is highly illegible due to extreme blurring and low resolution.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

$\alpha = \frac{1}{\sqrt{2}}$

[illegible][illegible]

[illegible]

[illegible]

91

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ।
 श्रीकृष्ण उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता
 युयुत्सवः मामकाः पाण्डवाश्चैतानि ॥ १ ॥
 तदा द्रुपद उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे
 समवेता युयुत्सवः मामकाः पाण्डवाश्चैतानि ॥ २ ॥
 तदा द्रुपद उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे
 समवेता युयुत्सवः मामकाः पाण्डवाश्चैतानि ॥ ३ ॥
 तदा द्रुपद उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे
 समवेता युयुत्सवः मामकाः पाण्डवाश्चैतानि ॥ ४ ॥
 तदा द्रुपद उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे
 समवेता युयुत्सवः मामकाः पाण्डवाश्चैतानि ॥ ५ ॥
 तदा द्रुपद उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे
 समवेता युयुत्सवः मामकाः पाण्डवाश्चैतानि ॥ ६ ॥
 तदा द्रुपद उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे
 समवेता युयुत्सवः मामकाः पाण्डवाश्चैतानि ॥ ७ ॥
 तदा द्रुपद उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे
 समवेता युयुत्सवः मामकाः पाण्डवाश्चैतानि ॥ ८ ॥
 तदा द्रुपद उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे
 समवेता युयुत्सवः मामकाः पाण्डवाश्चैतानि ॥ ९ ॥
 तदा द्रुपद उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे
 समवेता युयुत्सवः मामकाः पाण्डवाश्चैतानि ॥ १० ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ཆེན་མོ་ཡུ་རོལ་པོ་ཆེ་རྒྱལ་པོ་འཕེལ་བའི་པོ་པོ།

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

इति श्रीमद्भगवद्गीतायां अष्टमोऽध्यायः समाप्तः ॥

[illegible]

इयमरिम् ।

REFUGEE

3700

2014年12月

10

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

2004

524 李 海 江

[illegible]

1924

121

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

५१

১৭৮৫

17. 1944

2000

34

१. अथर्ववेदः । २. अथर्ववेदः । ३. अथर्ववेदः । ४. अथर्ववेदः । ५. अथर्ववेदः । ६. अथर्ववेदः । ७. अथर्ववेदः । ८. अथर्ववेदः । ९. अथर्ववेदः । १०. अथर्ववेदः ।

150

2000



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

10

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

77

1957

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

1997

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

[illegible]

Geetha Chandra

[illegible]

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

$\frac{d}{dt} \left(\frac{\partial L}{\partial \dot{x}} \right) = \frac{\partial L}{\partial x}$

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ १ ॥
 अथ श्रीकृष्ण उवाच ॥ १ ॥
 द्रुपद उवाच ॥ १ ॥
 धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥
 मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥
 १ ॥

[illegible]

25
24
23
22
21
20
19
18
17
16
15
14
13
12
11
10
9
8
7
6
5
4
3
2
1

[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

10

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । अथ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ।
श्रीकृष्ण उवाच । धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः
काँक्षन्ति मामासीत । त्वमेकाग्रचित्तो मन्यते ॥ १ ॥
अर्जुन उवाच । पांडवैश्चैत्र्यपुत्रैश्च वीर्यवान्
द्रुपदपुत्रश्च द्रुपदश्चैव भीमार्जुनसमाहृतम् ।
भामद्रेष्ठकुन्तिपुत्रस्तथाभीमार्जुनसहायम् ।
सौमित्रकर्णधर्मराजश्चैव पांडवसमाबुधम् ।
समवेतानि मे पश्यैतां महाबाहो जनादिकम् ॥ २ ॥
श्रीकृष्ण उवाच । पांडवस्य सौमित्रस्य चैव
कर्णस्य द्रुपदस्य चैव भीमस्य द्रुपदस्य चैव ।
समवेतानि मे पश्यैतां महाबाहो जनादिकम् ॥ ३ ॥
अर्जुन उवाच । पांडवस्य सौमित्रस्य चैव
कर्णस्य द्रुपदस्य चैव भीमस्य द्रुपदस्य चैव ।
समवेतानि मे पश्यैतां महाबाहो जनादिकम् ॥ ४ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

५३५७

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

(The following text is highly degraded and largely illegible due to extreme blurring and noise. It appears to be a continuous passage of Indic script.)

[illegible]

[illegible]

[illegible]

金

12

1954

[illegible]



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

44



100

[illegible]

[illegible]

६५ दशमः । १ । २ । ३ । ४ । ५ । ६ । ७ । ८ । ९ । १० । ११ । १२ । १३ । १४ । १५ । १६ । १७ । १८ । १९ । २० । २१ । २२ । २३ । २४ । २५ । २६ । २७ । २८ । २९ । ३० । ३१ । ३२ । ३३ । ३४ । ३५ । ३६ । ३७ । ३८ । ३९ । ४० । ४१ । ४२ । ४३ । ४४ । ४५ । ४६ । ४७ । ४८ । ४९ । ५० । ५१ । ५२ । ५३ । ५४ । ५५ । ५६ । ५७ । ५८ । ५९ । ६० । ६१ । ६२ । ६३ । ६४ । ६५ । ६६ । ६७ । ६८ । ६९ । ७० । ७१ । ७२ । ७३ । ७४ । ७५ । ७६ । ७७ । ७८ । ७९ । ८० । ८१ । ८२ । ८३ । ८४ । ८५ । ८६ । ८७ । ८८ । ८९ । ९० । ९१ । ९२ । ९३ । ९४ । ९५ । ९६ । ९७ । ९८ । ९९ । १०० ।

ॐ नमः । अथ कुरुक्षेत्रे द्रुपदो वचनमुवाच ॥ १ ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥
 मामकाः पाण्डवाश्चैतानि त्वं गच्छस्व मम पार्श्वस्थ इति ॥ २ ॥ अर्जुन उवाच ॥ दृष्ट्वा तु पाण्डुपुत्रा-
 नकुर्वन्कृत्यं यत्किञ्चित्करिष्ये ॥ ३ ॥ भवत्विति सोऽपाह संजय ॥ ४ ॥ अर्जुन उवाच ॥ ५ ॥
 ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ १० ॥ ११ ॥ १२ ॥ १३ ॥ १४ ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥ २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥ ३१ ॥ ३२ ॥ ३३ ॥ ३४ ॥ ३५ ॥ ३६ ॥ ३७ ॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥ ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷之四

201

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अथ कृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अथ कृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अथ कृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अथ कृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णार्जुनसंवादे ॥ अथ कृष्ण उवाच ॥ धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे समवेता युयुत्सवः ॥ मामकाः पाण्डवाश्चैव किमकुर्वत सज्जनाः ॥ १ ॥

[illegible]

संज्ञा ७ प्रमाणिका २०

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

۱۱
 ۱۲
 ۱۳
 ۱۴
 ۱۵
 ۱۶
 ۱۷
 ۱۸
 ۱۹
 ۲۰
 ۲۱
 ۲۲
 ۲۳
 ۲۴
 ۲۵
 ۲۶
 ۲۷
 ۲۸
 ۲۹
 ۳۰
 ۳۱
 ۳۲
 ۳۳
 ۳۴
 ۳۵
 ۳۶
 ۳۷
 ۳۸
 ۳۹
 ۴۰
 ۴۱
 ۴۲
 ۴۳
 ۴۴
 ۴۵
 ۴۶
 ۴۷
 ۴۸
 ۴۹
 ۵۰
 ۵۱
 ۵۲
 ۵۳
 ۵۴
 ۵۵
 ۵۶
 ۵۷
 ۵۸
 ۵۹
 ۶۰
 ۶۱
 ۶۲
 ۶۳
 ۶۴
 ۶۵
 ۶۶
 ۶۷
 ۶۸
 ۶۹
 ۷۰
 ۷۱
 ۷۲
 ۷۳
 ۷۴
 ۷۵
 ۷۶
 ۷۷
 ۷۸
 ۷۹
 ۸۰
 ۸۱
 ۸۲
 ۸۳
 ۸۴
 ۸۵
 ۸۶
 ۸۷
 ۸۸
 ۸۹
 ۹۰
 ۹۱
 ۹۲
 ۹۳
 ۹۴
 ۹۵
 ۹۶
 ۹۷
 ۹۸
 ۹۹
 ۱۰۰

21

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

१५७

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

॥ सुखं च नरेण परित्यज्य भूतपुत्राय नमः ॥ हृषिकेशाय नमः ॥ सर्वभूतेष्वपि । त्रैलोक्ये च । कथयन्त्यस्य सत्त्वम् । अदमासा विदुर्नरैः । अदम्यः । शरीरवत् ।
अनेकान्तराणि यस्यास्त्यक्तव्यानि । अस्माकं पुत्रोऽयं पितृणां सर्वेषामनुग्रहः । अस्माकं पुत्रोऽयं पितृणां सर्वेषामनुग्रहः । अस्माकं पुत्रोऽयं पितृणां सर्वेषामनुग्रहः । अस्माकं पुत्रोऽयं पितृणां सर्वेषामनुग्रहः ।
अस्माकं पुत्रोऽयं पितृणां सर्वेषामनुग्रहः । अस्माकं पुत्रोऽयं पितृणां सर्वेषामनुग्रहः । अस्माकं पुत्रोऽयं पितृणां सर्वेषामनुग्रहः । अस्माकं पुत्रोऽयं पितृणां सर्वेषामनुग्रहः ।
अस्माकं पुत्रोऽयं पितृणां सर्वेषामनुग्रहः । अस्माकं पुत्रोऽयं पितृणां सर्वेषामनुग्रहः । अस्माकं पुत्रोऽयं पितृणां सर्वेषामनुग्रहः । अस्माकं पुत्रोऽयं पितृणां सर्वेषामनुग्रहः ।

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

[The text in this block is extremely faint and illegible due to extreme blurring and low contrast.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The text in this block is extremely faded and illegible.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

१३५७

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय । इति श्रीकृष्णार्जुनसंवादे अर्जुनस्य धर्मशलाघातप्रकरणम् ॥ १ ॥
अथ कुरुक्षेत्रे युद्धम् । अर्जुन उवाच । पाण्डवस्य द्रुपदः प्रह्लादश्च वीर्यवान् ।
भीमार्जुनसमन्वितः शैब्यश्च महाधनुषधरा ।
उलूखलधरोऽपि च योऽस्त्रविद्यायाः गुरोः परः ।
भार्यासहितः स पाण्डवस्य द्रुपदमुदाहरत् ।
द्रुपद उवाच । त्वं हि पाण्डवस्य द्रुपदमुदाहरत् ।
द्रुपद उवाच । त्वं हि पाण्डवस्य द्रुपदमुदाहरत् ।

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

卷之四

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or damage to the original document.]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

सर्वनाम

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to fading or bleed-through from the reverse side of the page.]

[illegible]

[illegible]

156
157
158
159
160
161
162
163
164
165
166
167
168
169
170
171
172
173
174
175
176
177
178
179
180
181
182
183
184
185
186
187
188
189
190
191
192
193
194
195
196
197
198
199
200
201
202
203
204
205
206
207
208
209
210
211
212
213
214
215
216
217
218
219
220
221
222
223
224
225
226
227
228
229
230
231
232
233
234
235
236
237
238
239
240
241
242
243
244
245
246
247
248
249
250
251
252
253
254
255
256
257
258
259
260
261
262
263
264
265
266
267
268
269
270
271
272
273
274
275
276
277
278
279
280
281
282
283
284
285
286
287
288
289
290
291
292
293
294
295
296
297
298
299
300
301
302
303
304
305
306
307
308
309
310
311
312
313
314
315
316
317
318
319
320
321
322
323
324
325
326
327
328
329
330
331
332
333
334
335
336
337
338
339
340
341
342
343
344
345
346
347
348
349
350
351
352
353
354
355
356
357
358
359
360
361
362
363
364
365
366
367
368
369
370
371
372
373
374
375
376
377
378
379
380
381
382
383
384
385
386
387
388
389
390
391
392
393
394
395
396
397
398
399
400
401
402
403
404
405
406
407
408
409
410
411
412
413
414
415
416
417
418
419
420
421
422
423
424
425
426
427
428
429
430
431
432
433
434
435
436
437
438
439
440
441
442
443
444
445
446
447
448
449
450
451
452
453
454
455
456
457
458
459
460
461
462
463
464
465
466
467
468
469
470
471
472
473
474
475
476
477
478
479
480
481
482
483
484
485
486
487
488
489
490
491
492
493
494
495
496
497
498
499
500
501
502
503
504
505
506
507
508
509
510
511
512
513
514
515
516
517
518
519
520
521
522
523
524
525
526
527
528
529
530
531
532
533
534
535
536
537
538
539
540
541
542
543
544
545
546
547
548
549
550
551
552
553
554
555
556
557
558
559
560
561
562
563
564
565
566
567
568
569
570
571
572
573
574
575
576
577
578
579
580
581
582
583
584
585
586
587
588
589
590
591
592
593
594
595
596
597
598
599
600
601
602
603
604
605
606
607
608
609
610
611
612
613
614
615
616
617
618
619
620
621
622
623
624
625
626
627
628
629
630
631
632
633
634
635
636
637
638
639
640
641
642
643
644
645
646
647
648
649
650
651
652
653
654
655
656
657
658
659
660
661
662
663
664
665
666
667
668
669
670
671
672
673
674
675
676
677
678
679
680
681
682
683
684
685
686
687
688
689
690
691
692
693
694
695
696
697
698
699
700
701
702
703
704
705
706
707
708
709
710
711
712
713
714
715
716
717
718
719
720
721
722
723
724
725
726
727
728
729
730
731
732
733
734
735
736
737
738
739
740
741
742
743
744
745
746
747
748
749
750
751
752
753
754
755
756
757
758
759
760
761
762
763
764
765
766
767
768
769
770
771
772
773
774
775
776
777
778
779
780
781
782
783
784
785
786
787
788
789
790
791
792
793
794
795
796
797
798
799
800
801
802
803
804
805
806
807
808
809
810
811
812
813
814
815
816
817
818
819
820
821
822
823
824
825
826
827
828
829
830
831
832
833
834
835
836
837
838
839
840
841
842
843
844
845
846
847
848
849
850
851
852
853
854
855
856
857
858
859
860
861
862
863
864
865
866
867
868
869
870
871
872
873
874
875
876
877
878
879
880
881
882
883
884
885
886
887
888
889
890
891
892
893
894
895
896
897
898
899
900
901
902
903
904
905
906
907
908
909
910
911
912
913
914
915
916
917
918
919
920
921
922
923
924
925
926
927
928
929
930
931
932
933
934
935
936
937
938
939
940
941
942
943
944
945
946
947
948
949
950
951
952
953
954
955
956
957
958
959
960
961
962
963
964
965
966
967
968
969

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

5
9
12
15
20

[illegible]

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

蘇子瞻

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[The following text is extremely faint and largely illegible due to low contrast and blurring.]

[illegible]

3

2

20

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

१५५ वा. ५१६ छं. ३५

[illegible]

अथर्ववेदः

Handwritten text in Arabic script, likely a religious or historical document. The text is written in a cursive style and appears to be a single line or a short paragraph.

Handwritten text in Arabic script, likely a religious or historical document. The text is written in a cursive style and appears to be a single line or a short paragraph.